-6-67

28-6-67 ओम शान्तिः रात्री क्लास :

यहाँ पर बच्चे बैठे है समझते है के हम बाप -बाप-दादा के सामने बैठे है। अपने गाँव मे जाते हो तो यह भासना नही आती होगी। वहाँ पर तो अपने वर्से की भी इतनी याद नही रहती होगी। जितना कि यहाँ पर सामने बैठने पर आवेगी। बाप से दादा दवारा हम अपने स्वर्ग का वर्सा ले रहे है। सम्मुख बैठे हो। मधुबन मे आने पर जरूर कुछ जास्ती ही फायदा होता है। जितना दिन यहाँ पर रहते हो तुम्हारा निश्चय भी बढ़ता है। समझते हो कि हम जाते है शिव बाबा पास बाप से वर्सा लेने। वर्सा शिव बाबा से मिलता है। निराकार होने कारण जरूर साकार का आधार लेना चाहिये। शिव बाबा ही हमको पढाते है। तुम भी स्टूडन्ट तो यह भी स्टुडण्ट। गाते रहते है नाँ त्वमेव माताश्च-पिता त्वमेवाः.... अर्थ पूरा नही समझते है। अब तुम पूरे अर्थ सहित बैठे हो। जो अच्छी रीती याद की यात्रा मे रहते है उनको बल मिलता है। सर्वशक्तिवान बाप की याद से ही शक्ति मिलती है। सर्वशक्तिवान गाया हुआ है नाँ। शिव शक्तियाँ भी गाई हुई है। जब तक शिव बाबा ही नही आवे तो शक्ति नाम ही कैसे पड़े। ऐसे नही कि सबके अन्दर को जानते है। प्योरटी ही शक्ति है। इसलिये ही तुमको शिव शक्तियाँ कहा जाता है। कहते भी है नाँ कि पतित से पावन बनाओं। बाप सर्वशक्तिवान है। माया दवारा पतित बनते हो। फिर बाप ही की याद से पतित से पावन बनते है। जितनी धारना करते, और करवाते है उतना ही कल्याण होगा। तुम बच्चोंको तो खुशी कितनी होनी चाहिये। हम भगवान के बच्चे है तो जरूर हमको विश्व का मालिक बनना ही है। तुम खुद भी कहते हो कि हमने 5000 वर्ष पहले वर्सा लिया था। अब फिर बाबा आया हुआ है। भारत को स्वर्ग की बादशाही जरूर मिलनी है। बाप को याद करना है जिससे पुण्यात्मा बनेंगे। स्वर्ग की स्थापना जरूर होनी है। थोडा भी सुनेंगे तो स्वर्ग मे जरूर आवेंगे। बाकी पुरूषार्थ तो है पद के लिये। बच्चे यह भी जानते है कि यह तो दुनियाँ ही खलास हो जावेगी। बडी लडाई लगती है तो छोटी रियासत वाले बडी रियासत वालो के पास पैसे सोनो आद भेज देते है सेफ्टी के लिये। तुम जानते हो शिव बाबा की सेफ तिजोरी सबो सेफ है। अभी समझते हो कि अज्ञान काल मे जो दान पुण्य आद करते है वो सेफ हो जाता है क्योकि ईश्वर अर्थ करते है। वो तो इनडायरेक्ट देने से दूसरे जन्म मे थोडा सा मिलता है। अब डायरेक्ट करने पर 21 जन्मो के लिये फुल मिलेगा। दान तो सभी करते है। अक्सर व्यापारीलोग बहुत दान पुण्य करते है। ईश्वर अर्थ खास निकालते है। एक पैसे दो पैसे। कोई फराक दिल चार पैसा-चार आने भी निकालते है कि दूसरे जन्म मे मिलेगा। तुम जानते हो कि 21 जन्म लिये तुमको मिलता है। यह दुनियाँ ही खत्म हो जानी है। तुम जानते हो कि 21 जन्मो लिये तुमको मिलता है। यह दुनियाँ ही खत्म हो जानी है। गायन भी है नाँ किनकी दबी रहेगी धूल मे किनकी राजा.... बच्चे समझते है कि यही सच्ची-2 कमाई साथ मे चलेगी। पैसे आद कुछ साथ नही चलेंगे। सच्ची कमाई हम की यह है। यह भी तुम्हारा भाई है। भाई ने देखा कि विनाश सामने खड़ा है। यह तो सभी मिटी मे मिल जावेगा। बाप के नाम पर सब कुछ देदेंगे तो अगले जन्म मे विश्व का मालिक बनूंगा। कहाँ पर 21 जन्मो की बादशाही कहाँ पर फिर अल्प काल का एक जन्म का सुख। तो जैसे कि शिव बाबा को बालक समझो वाँ वारस बनाया। सब काम मे लग गये। नम्बरवार ही है जिन्होने भी किया। जरा भी ख्याल आना कि शिव बाबाको देता हूँ तो पाप हो जाता है। हम देते है तो शिव बाबा लाखो करके देते है। यह तो सब खत्म हो जाना है। सभी को कह दिया कि जो-2 साथ चले सो चले। नही तो नाँ हम दउनके है नाँ ही वो हमारे है। मेरे तो सच्चे बच्चे यही रहानी है। तुम बच्चो को हर बात मे राय मिलती है। बाप ऐसी राय नही देंगे जोकि आज्ञा का उल्लंघन हो। इसलिये कहते है कि भल वैसा ही करो। सभी को देकर बाकी ईश्वर के नाम पर लगाओंगे तो तुम्हारा कल्याण होगा। फेरदेन्ट पूछते है कि दुर्वचन कहाँ से आता है। बोलो हम बाप के बच्चे है। बाप की श्रीमत पर हम अपनी [illegible] स्थापन कर रहे है। हमारे पास [illegible] नही है। तम हो कुल अहिंसक। 21 जन्मो लिये कोई [illegible] ना।